विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

VINOBA BHAVE UNIVERSITY, HAZARIBAG

झारखण्ड

JHARKHAND

मानवविज्ञान विभाग

UNIVERSITY DEPARTMENT OF ANTHROPOLOGY

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

FOR

मानवशास्त्र में एम0ए0 / एम0 एससी0

M.A./ M.Sc. PROGRAMME IN ANTHROPOLOGY

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम अन्तर्गत

UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

प्रथम समसत्र

पत्र	विशय कोड	पाठ्यक्रम की प्रकृति	क्रेडिट की संख्या	f" ाक्षण (घंटों में) प्रत्येक सप्ताह	न्यूनतम आव" यक f" ाक्षण	कुल अंक		उत्तीर्ण अंक	
						अंतिम	आंतरिक	अंतिम	आंतरिक
I	ANT F 01	फाउंडे" ान	5	5	60	70	30	35	15
II	ANT C 02	कोर	5	5	60	70	30	35	15
III	ANT C 03	कोर	5	5	60	70	30	35	15
IV	ANT C P04	कोर/प्रैक्टिकल	5	5	60/120	70	30	35	15
					कुल	**280**	**120**	**140**	**60**

द्वितीय समसत्र

पत्र	विशय कोड	पाठ्यक्रम की प्रकृति	क्रेडिट की संख्या	f" ाक्षण (घंटों में) प्रत्येक सप्ताह	न्यूनतम आव" यक f" ाक्षण	कुल अंक		उत्तीर्ण अंक	
						अंतिम	आंतरिक	अंतिम	आंतरिक
V	ANT F 05	कौ" ाल विकास	5	5	60	70	30	35	15
VI	ANT C 06	कोर	5	5	60	70	30	35	15
VII	ANT C 07	कोर	5	5	60	70	30	35	15
VIII	ANT C P08	कोर/प्रैक्टिकल	5	5	60/120	70	30	35	15
					कुल	**280**	**120**	**140**	**60**

तृतीय समसत्र

पत्र	विशय कोड	पाठ्यक्रम की प्रकृति	क्रेडिट की संख्या	f" ाक्षण (घंटों में) प्रत्येक सप्ताह	न्यूनतम आव" यक f" ाक्षण	कुल अंक		उत्तीर्ण अंक	
						अंतिम	आंतरिक	अंतिम	आंतरिक
XI	ANT A 09	ओपन इलेक्टीव	5	5	60	70	30	35	15
X	ANT C 10	कोर	5	5	60	70	30	35	15
XI	ANT C 11	कोर	5	5	60	70	30	35	15
XII	ANT C P12	कोर/ प्रैक्टिकल	5	5	60/120	70	30	35	15
					कुल	**280**	**120**	**140**	**60**

चतुर्थ समसत्र

पत्र	विशय कोड	पाठ्यक्रम की प्रकृति	क्रेडिट की संख्या	f" ाक्षण (घंटों में) प्रत्येक सप्ताह	न्यूनतम आव" यक f" ाक्षण	कुल अंक		उत्तीर्ण अंक	
						अंतिम	आंतरिक	अंतिम	आंतरिक
XIII	ANT E 13	इलेक्टिव थ्योरी	5	5	60	70	30	35	15
XIV	ANT E 14	इलेक्टिव थ्योरी	5	5	60	70	30	35	15
XV	ANT E 15	इलेक्टिव थ्योरी	5	5	60	70	30	35	15
XVI	ANT E 16	इलेक्टिव थ्योरी	5	5	60/120	70	30	35	15
					कुल	**280**	**120**	**140**	**60**

प्रथम समसत्र

पत्र	विषय कोड	कोर्स की प्रकृति	कोर्स का शीषक
I	ANT F 01	फाउंडे" ान	आधारभूत मानवविज्ञान
II	ANT C 02	कोर	सामाजिक और सांस्कृतिक मानवविज्ञान
III	ANT C 03	कोर	शारीरिक मानवविज्ञान
IV	ANT C P04	कोर / प्रैक्टिकल	प्रयोगिक शारीरिक मानवविज्ञान

द्वितीय समसत्र

पत्र	विषय कोड	कोर्स की प्रकृति	कोर्स का शीषक	
V	ANT 05	कौशल विकास	कौशल विकास	
			कौशल विकास मूल्यांकन	कौशल विकास मूल्यांकन (अभिकलनात्मक कौशल)
VI	ANT C 06	कोर	भारतीय मानवविज्ञान	
VII	ANT C 07	कोर	भारतीय प्रागैतिहास (सैद्धांतिक)	
VIII	ANT C P08	कोर / प्रैक्टिकल	प्रागैतिहास (प्रयोगिक)	

तृतीय समसत्र

पत्र	विषय कोड	कोर्स की प्रकृति	कोर्स का शीषक		
IX	ANT A 09	ओपन इलेक्टिव	जेनेरिक इलेक्टिव		
			मानवविज्ञान में सैद्धांतिक तथा प्रक्रियात्मक दृष्टिकोण (मानवविज्ञान के छात्र–छात्राओं के लिए)	जैवकीय मानवविज्ञान (मानव जीवविज्ञान) (मानवविज्ञान को छोड़कर अन्य छात्र–छात्राओं के लिए)	विस्तृत मानवविज्ञान (मानवविज्ञान को छोड़कर अन्य छात्र–छात्राओं के लिए)
X	ANT C 10	कोर	शोध प्रविधि		
XI	ANT C 11	कोर	मानववैज्ञानिक सिद्धांत		
XII	ANT C P12	कोर / प्रैक्टिकल	शोध निबंध (क्षेत्र कार्य पर आधारित)		

चतुर्थ समसत्र

जनजातीय विकास में विशेषज्ञता के लिए (Group C)

पत्र	विषय कोड	कोर्स की प्रकृति	कोर्स का शीषक
XIII	ANT E 13	इलेक्टिव थ्योरी	जनजातीय भारत
XIV	ANT E 14	इलेक्टिव थ्योरी	जनजातीय विकास
XV	ANT E 15	इलेक्टिव थ्योरी	भारत का PVTGs
XVI	ANT E 16	परियोजना	परियोजना वर्क

प्रथम समसत्र

पत्र – I

आधारभूत मानवविज्ञान

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

मानवविज्ञान : इतिहास एवं विषयवस्तु; मानवविज्ञान का समाज" ाास्त्र, मनोविज्ञान, इतिहास, जंतुविज्ञान, भूगर्भ" ाास्त्र, अर्थ" ाास्त्र तथा राजनीति विज्ञान के साथ संबंध।

मानवविज्ञान के मुख्य भााखाएँ :

1. समाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान : अर्थ, क्षेत्र तथा इतिहास
2. भाारीरिक तथा अनुवांि" ाक मानवविज्ञान : अर्थ, क्षेत्र तथा इतिहास
3. पुरातत्व मानवविज्ञान : अर्थ, क्षेत्र तथा इतिहास
4. भाशायी मानवविज्ञान : अर्थ, क्षेत्र तथा इतिहास

ईकाई–2

आधारभूत अवधारणा : समाज, समूह, संस्था, समुदाय, दल, जनजाति, सरदारी तंत्र, राज्य, टोटेम तथा टैबू।

निम्नलिखित अवधारणाओं के बीच भेद : समाज तथा संस्कृति, समाजिक संरचना तथा समाजिक संगठन, समाज तथा समुदाय, संस्कृति तथा सभ्यता, झुंड तथा जनजाति, समाजिक परिवर्तन तथा सांस्कृतिक परिवर्तन, मानवजाति शास्त्र तथा मानवजाति वर्णन शास्त्र।

ईकाई– 3

प्रारंभिक अनुवांि" ाकी : मानवीय अनुवांि" ाकी की संकल्पना, मानवीय उद्‌विकास एवं विविधता।
मेंडल के वं" ाानुक्रम का नियम
वं" ाानुक्रम का जैवकीय आधार – कोि" ाका, क्रोमोसोम, जीन, डीएनए, कोि" ाका विभाजन।

ईकाई – 4

संस्कृति का मानव" ाास्त्रीय अवधारणा; संस्कृति की वि" ोशता।
संस्कृति के आयाम; भौतिक संस्कृति, अभौतिक संस्कृति, सांस्कृतिक सापेक्षवाद, सांस्कृतिक समन्वयता, संस्कृति की गति" ाीलता।
नृजातीय संस्कृति की संकल्पना, नृजातीयता, वि" वदृश्टि, पर्यावरण एवं पारिस्थितकी, भौतिकतावाद और सांस्कृतिक पारिस्थितकी।

अनुशंसित अध्ययन :

- क्रोबर, ए0 एल0 : एन्थ्रोपोलॉजी
- ई, एडम्सन होबेल एंड ईवेरेट एल0 फोरस्ट : कल्चरल एडं सो" ाल एंथ्रोपोलॉजी
- फ्रैंक राबर्ट वीवेलो : कल्चरल एंथ्रोपोलॉजी हैंडबुक
- रैडक्लीफ ब्राउन, ए0 आर0 : स्ट्रक्चर एंड फंक" ान इन प्रीमिटिव सोसायटी
- यींगर हिल्टन : द सांइटिफिक स्टडी रीलिजन
- छुबे लीला : सोसियोलॉजी ऑफ किं" ाीप इन इंडिया
- कर्वे इरावती : किं" ाीप आर्गनाइजे" ान इन इंडिया
- विद्यार्थी एल0 पी0 एंड रॉय बी0 के0 : ट्राइबल कल्चर इन इंडिया
- विद्यार्थी एल0 पी0 एंड सहाय के0 एन0 : डायनेमिक्स ऑफ ट्राइबल लीडरि" ाप इन बिहार
- श्रीनिवास, एम0 एन0 : सो" ाल चेंज इन इंडिया
- कपाड़िया, के0 एम0 : मैरिज एंड फैमिली इन इंडिया
- प्रभु, पी0 एन0 : हिन्दू सो" ाल आर्गनाइजे" ान
- पांडे, आर0 बी0 : हिन्दू संस्कार्स

- बील्स एंड होयजर : एन इंट्रोडक" ान टू सो" ाल एन्थ्रोपोलॉजी
- मैयर, लूसी : एन इंट्रोडक" ान टू सो" ाल एंथ्रोपोलॉजी
- होनीगमैन, जे0 जे0 : मैन, कल्चर एंड सोसायटी
- बलानडीअर, जी0 : पॉलिटिकल एंथ्रोपोलॉजी
- हर्सकोविट0 एम0 जे0 : इकोनॉमिक एंथ्रोपोलॉजी

प्रथम समसत्र

पत्र–II
सामाजिक और सांस्कृतिक मानवविज्ञान

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

भारत में सामाजिक तथा सांस्कृतिक मानवविज्ञान का इतिहास एवं विकास।

निम्न के संबंध में सामाजिक मानवविज्ञान का विभिन्न उपक्षेत्रों की चर्चा करें –

i) चिकित्सा मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
ii) क्रियात्मक एवं व्यवहारिक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
iii) नगरीय मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
iv) राजनीतिक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
v) मनोवैज्ञानिक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
vi) आर्थिक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र

ईकाई–2

मानवविज्ञान के उभरते क्षेत्र :

i) ज्ञानात्मक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
ii) लैंगिक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र
iii) पारिस्थितिक मानवविज्ञान : अर्थ एवं क्षेत्र

ईकाई–3

परिवार : संकल्पना, परिभाशा और इसके प्रकार, परिवार की सौर्वभौमिकता, परिवार के प्रकार और प्रकार्य, निवास स्थान के आधार पर परिवार का अध्ययन, स्थायीत्व और परिवार में परिवर्तन, परिवार में परिवर्तन की प्रवृति, परिवार पर नगरीकरण, औद्योगिकरण, वै" वीकरण और नारीवादी आंदोलन का प्रभाव।

विवाह : परिभाशा और सौर्वभौमिक परिभाशा की समस्या; निशेध नियम, प्रतिशेध श्रेणी; महत्व और विवाह के प्रकार्य, विवाह के प्रकार, अधिमान्य और निशेधात्मक विवाह; विवाह मूल्य : दहेज, वधू मूल्य, वधू सेवा; जीवन साथी चुनने के तरीकें : विवाह पर सूचना और प्रौद्योगिकी का प्रभाव (इंटरनेट, मोबाइल,)

ईकाई–4

नातेदारी : संकल्पना और परिभाशा
वं" ा : परिभाशा और प्रकार (संगोत्र, पितृपक्ष, द्विपक्षीय, कल्पित)
वं" ा–समूह–वं" ावली, गोत्र या संगोत्र, फ्रेटी(बिरादरी), मयेती
सिद्धांत और वं" ा – एकरेखीय, द्विरेखीय, समांतर और द्विरेखीय वं" ा
नातेदारी भाब्दावली –

i) वर्गीकरण और वर्णनात्मक; संदर्भ की भार्त
ii) एस्कीमों, ओमाहा और क्रो, इराक्वीस, हवायिन, सूडेन
नातेदारी व्यवहार – परिहार और परिहास, मातुलेय, माध्यमिक संबोधन, पितृ" वश्रेय और सह–प्रसविता

ईकाई–5

- धर्म : अवधारणा और परिभाशा
- धर्म की उत्पति का सिद्धांत
- धर्म के अध्ययन की मानव" ाास्त्रीय सिद्धांत : विकासमूलक, मनोवैज्ञानिक, कार्यात्मक
- प्राचीन धर्म – सर्वात्मवाद
- जादू – अवधारणा और परिभाशा
- जादू के प्रकार :– काला और सफेद; संसर्गात्मक, रक्षात्मक, विना" ाात्मक, अनुकरणात्मक, सहानुभूतिक
- जादुई–धार्मिक वि" ोशज्ञा, पुरोहित, भाामन, वैध, अभिचारक, डायन;
- जादू और धर्म के बीच अंतर
- जादू और धर्म के प्रकार्य

अनुशंसित अध्ययन :

- कोहन0 बी0 एस0 : इंडिया–सो" ाल एंथ्रोपोलॉजी ऑफ सीवीलाइजे" ान
- बासहम, ए0 एल0 : द वंडर दैट वास इंडिया
- गोजेटर ऑफ इंडिया : पीपुल एंड कल्चर ऑफ इंडिया (vol I-V) सेलेक्टड चैप्टरस
- मजूमदार, डी0 एन0 : रेसेस एंड कल्चर ऑफ इंडिया
- मैनडीलबम, डी0 एस0 : सोसायटी इन इंडिया
- प्रभु, पी0 एन0 : हिन्दू सो" ाल आर्गनाईजे" ान
- सिंगर, मिल्टन : वेन ए ग्रेट ट्रेडि" ान मार्डनाइज्स
- सरस्वती, एम0 एन0 कंर्टूब्यू" ान टू द अंडरस्टैंडिंग ऑफ इंडियन सिविलाइजे" ान
- डॉ कुमार : इंडियन सोसायटी एंड सो" ाल इंस्टीट्यू" ान
- डॉ पी0 एन0 सिंह : सोसायटी एंड सो" ाल इंस्टीट्यू" ान
- कचरू एंड कचरू : सोसयटी इन इंडिया
- श्रीवास्तव, ए0 आर0 एन0 (इडी) : भारत में मानव विज्ञान

प्रथम समसत्र

पत्र–III

शारीरिक मानवविज्ञान

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

जैविक उद्विकास की संकल्पना, कार्बनिक उद्विकास का साक्ष्य, सूक्ष्म एवं वृहत उद्विकास, उद्विकासीय विचारधारा; लैमार्कवाद, नवलैमार्कवाद, डार्विनवाद, नवडार्विनवाद, उद्विकास का सं" लेशणात्मक सिद्धांत।

ईकाई–2

- प्राणी जगत में मानव का स्थान।
- स्तनधारी की सामान्य वि" ोशताएँ : इनका वर्गीकरण।
- प्राइमेट्स की समान्य वि" ोशताएँ : इनका वर्गीकरण।
- जीवित प्राइमेट्स : वर्गीकरण, प्रमुख लक्षण
  लेम्यूरोडिया, टारसिओडिया, लोरिसोफार्म, प्लेटरहाइन, केटहाइन
- जीवित मानवरूपी : वर्गीकरण, प्रमुख लक्षण
  गिब्बन, गोरिल्ला, औरंगउटान, चिम्पांजी
- मानव तथा कपि का भाारीरिक विशेताएँ : एक तुलनात्मक अध्ययन
- द्विपाद गमन में आयी भाारीरिक परिवर्तन

ईकाई–3

- जीवा" ाम प्राइमेट : (रामापिथेकस, ड्रायोपिथेकस, गिगनटोपिथेकस) : खोज, वर्गीकरण, कालानुक्रम, सामान्य वि" ोशताएँ, जाति वृत्त
- आस्ट्रैलोपिथेकस प्रजाति : खोज, वर्गीकरण, कालानुक्रम, सामान्य वि" ोशताएँ, जाति वृत्त
- होमो इरेक्टस : (पिथैकैन्थ्रापस, सिनेन्थ्रापस तथा हीडलबर्ग मानव) खोज, वर्गीकरण, कालानुक्रम, सामान्य वि" ोशताएँ, जाति वृत्त
- होमो–सेपियंस नियेन्डरथेलेन्सिस : खोज, वर्गीकरण, कालानुक्रम, सामान्य वि" ोशताएँ, जाति वृत्त
- होमो–सेपियंस (क्रो–मैग्नन, चॉन्सलेड, ग्रीमाल्डी) : खोज, वर्गीकरण, कालानुक्रम, सामान्य वि" ोशताएँ, जाति वृत्त

ईकाई–4

प्रजाति : प्रजाति की अनुवां" ाकी अवधारणा, प्रजातीय वर्गीकरण के लिए मापदंड, भारतीय जनसंख्या में प्रजातीय तत्व

अनुशंसित अध्ययन :

- ब्यूटेनर, जनउस्च, जॉन : आरीजिन ऑफ मैन
- डाब्जहैंस्की, टी0 एच0 : मैनकांइड इवोलविंग
- क्लार्क, डब्ल्यू0 ई0 एल0 ई ग्रास : हिस्ट्री ऑफ द प्राइमेटस
- डे, माइकल : गाइड टू फोसिल मैन
- वेल्स, डब्ल्यू0 मैनकांइड इन द मेकिंग – द स्टोरी ऑफ ह्यूमन इवोल्यू" ान
- क्लार्क, डब्ल्यू0 ई0 एल0 ई ग्रास : द एंटीसीडेन्टस ऑफ मैन
- हक्सले, जे0 एस0 : इवोल्यू" ान ऑफ द मार्डन सेंथेसीस
- लीकी, एल0 : द प्रोग्रेस एंड इवोल्यू" ान ऑफ मैन इन अफ्रिका
- क्रेउस, बीट्राम्स : द बेसिक ऑफ ह्यूमन इवोल्यू" ान
- पीफीफर, जॉन0 ई : द इमरजेंस ऑफ मैन
- प्रीबीम, डेविड : द इवोल्यू" ान ऑफ मैन
- पोएरिअर, एफ0 ई0 : फोसिल मैन – एन इवोल्यू" ानरी जर्नी
- वासबर्न, एस0 एल0 : द स्टडी ऑफ ह्यूमन इवोल्यू" ान
- डै" ा, भार्मा, पी0 : ह्यूमन इवोल्यू" ान – एन इंट्रोडक्" ान टू फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी
- सिंह, रिपूदामन : भाारीरिक मानव विज्ञान
- भुक्ला, बी0 आर0 के0 एंड सुधा रस्तोगी : फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी एंड ह्यूमन जेनेटिक्स – एन इंट्रोडक्" ान
- सरकार, एस0 एस0 :एबोरिगीनल रेसेस ऑफ इंडिया
- सरकार, आर0 एम0 : फांडामेंटलस ऑफ फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी
- दास, बी0 एम0 : आउटलाइन ऑफ फिजिकल एन्थ्रोपोलॉजी
- दास, बी0 एम0 : आउटलाइन ऑफ फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी
- गुहा, बी0 एस0 : रेसिअल एलिमेन्टस इन इंडियन पापूले" ान (1931 सेंसस इन इंडिया)
- बॉडी, डब्ल्यू0 सी0 : जेनेटिक्स एंड रेसेस ऑफ मैन
- कून, सी0 एस0 : द लीविंग रेसेस ऑफ मैन
- हूटन, ई0 ए0 : अप फ्रोम द एप

प्रथम समसत्र
पत्र–IV

प्रयोगिक शारीरिक मानवविज्ञान

ईकाई–1

1. मानव कंकाल और अस्थियों की पहचान और विवरण
   i) मानव के कपाल अस्थियों की पहचान :(फ्रंटल, पेराइटल, टेंपरोरल, ऑक्सीपीटल, मैक्सीला, जाइगोमेटिक, इथमॉइड, स्फनॉइड, मैन्डीबल)

ii) मानव के उत्तर–कपालीय की पहचान : मेरूदंड(एटलस, एक्सीस, प्रारूपीय सर्वाइकल, थायरॉक्सीक, लम्बर, सैकरम), स्टर्नम, सर्वाइकल, स्कैपुला, ह्यूमरस, रेडियस, अलना, इनोमीनेट, फीमर, टीबिया और फेबुला।

iii) कपाल और पेल्विस के द्वारा लिंग की पहचान

2. कपालमित्तिय माप, मानव कपाल के पाँच प्रत्यक्ष माप और पाँच मेंडीबल(निचला जबड़ा)
3. मानवमित्तिय अवलोकन पाँच व्यक्ति पर
4. अस्थि का वृद्धावस्था निर्धारण तथा लिंग निर्धारण तथा कपाल में सुचर का बंद होने का वि" ोश संदर्भ में, अस्थि निर्माण और दाँत क्षयण
5. प्रयोग" ाला रिकार्ड (लेख पत्र)
6. साक्षात्कार (मौखिक रूप से)

अनुशंसित अध्ययन :

- दास, बी0 एम0 एंड रंजन डेका : ए हैंडबुक ऑफ एंथ्रोपोलॉजी
- पोद्दार, एस0 एंड अजय भगत : हैंडबुक ऑफ ओस्टियोलॉजी
- ओलिवर, जॉर्ज : प्रैक्टिकल एंथ्रोपोलॉजी
- हार्डिका, ए : प्रेक्टिकल एंथ्रोपोलॉजी
- सरकार, एस0 एस0 : ए लैबोरेटरी मैन्यूअल ऑफ सोमेटोलॉजी
- होनिन्सहैड, डब्ल्यू0 हेनरी : टेक्सटबुक ऑफ एनाटॉमी
- सिंह, आई0 पी0 एंड एम0 के0 भासीन : एंथ्रापोलॉजी
- डै" ा, भार्मा, पी0 : मेथड्स ऑफ रिसर्च इन फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी। इन मारियो, डी0 जामारो इडिटेड। एन्थ्रोपोलॉजीकल रिसर्च, पर्सपेक्टिव एंड फील्ड वर्क (रेक्स बुक स्टोर, मैनीला, फिलीपीन्स)
- मित्रा मिताशी : प्रायोगिक मानव विज्ञान (पार्ट–II)

द्वितीय समसत्र

पत्र–V

कौशल विकास मूल्यांकन

ईकाई–1

विद्यार्थी लिखने के कौ" ाल को सिखेगें।

1. योजना प्रस्ताव
2. परियोजना प्रतिवेदन
3. विशय रूपरेखा
4. अनुसूची
5. प्र" नावली
6. विवरणात्मक संदर्भ सूची
7. संदर्भ टिप्पणियों का दृश्टांत (उदाहरण)
8. साहित्य की समीक्षा
9. अध्यायीकरण

ईकाई–2

वे आगे अध्ययन करेंगे

1. समूह परिचर्चा में भागीदारी का कौ" ाल
2. विद्वतापूर्ण प्रस्तुतीकरण बनाना तथा उचित तरीकें से दस्तावेजीकरण करना।
3. पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के लिए विशय की तैयारी
4. साक्षात्कार परिचालन

ईकाई–3

कम्प्यूटर का मौलिक परिचय : कम्प्यूटर की वि" ोशताएँ, कम्प्यूटर का उपयोग, कम्प्यूटर के प्रकार और कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ

एम0एस0 ऑफिस, एम0एस0 वर्ड, एम0 एस0 एक्सेल, एम0एस0 पॉवर–प्वाइंट

ईकाई–4

आँकड़े वि" लेशण के लिए सॉफ्टवेयर का परिचय : एस0पी0एस0एस0 (SPSS), ग्राफिक

अनुशंसित अध्ययन :

- रॉयल एंथ्रोपोलॉजीकल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड, नोट्स एंड क्वैरिस आन् एंथ्रोपोलॉजी, लंदन, रूटलेज एंड कीगन पॉल लिमेटेड।
- एलिसन एंड हॉकी एंड डॉसन, एंड्रयू, ऑफ्टर राइटिंग कल्चर, रूटलेज

द्वितीय समसत्र
पत्र–VI

भारतीय मानवविज्ञान

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

1. भारत में हिन्दू समाज की परंपरागत संगठन :–
   - i) वर्ण, आश्रम, ऋण, पुनर्जन्म, कर्म, पुरूशार्थ
   - ii) हिन्दू विवाह व्यवस्था
   - iii) संयुक्त परिवार व्यवस्था – वि" ोशता, गुण और दोश
   - iv) जाति व्यवस्था – वि" ोशता, गुण और दोश
   - v) यजमानी व्यवस्था – वि" ोशता, गुण और दोश
   - vi) हिन्दू समाज में धर्म की संकल्पना
   - vii) हिन्दू समाज में संस्कार की संकल्पना
   - viii) हिन्दू नातेदारी प्रथा की मूल वि" ोशता

ईकाई–2

समकालीन भारतीय समाज

- i) भारतीय जनसंख्या में नृजातीय तत्व
- ii) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, और अल्पसंख्यक
- iii) भारत में वृहत धर्म – ईसाई, इस्लाम बौद्ध, जैन

ईकाई–3

भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रगति –
भाहरीकरण, औद्योगीकरण, संस्कृतिकरण, पि" चमीकरण, धर्मनिरपेक्षीकरण, आधुनिकीकरण

ईकाई–4

आधारभूत संकल्पना –

महान परंपरा और लघु परंपरा, पवित्र संकुल, सौर्वभौमिकरण और सकीर्णकरण, प्रबल जाति, जनजाति–जाति सातत्य, प्राकृति–मानव–जीवत्मा समिश्ट, वि–जनजातीयकरण, समन्वयतावाद

अनुशंसित अध्ययन :

- कोहन0 बी0 एस0 : इंडिया – सो" ाल एंथ्रोपोलॉजी ऑफ सिविलाइजे" ान
- बासहम0 ए0 एल0 : द वंडर दैट वास इंडिया
- गोजेटर ऑफ इंडिया : पीपल एंड कल्चर ऑफ इंडिया (vol. I-V) सेलेक्टड चैप्टर

- मजूमदार, डी0 एन0 : रेसेस एंड कल्चर ऑफ इंडिया
- मैंडिलबम, डी0 एस0 : सोसायटी इन इंडिया
- प्रभु, पी0 एन0 : हिन्दू सो" ाल आर्गनाइजे" ान
- सिंगर, मिल्टन : वेन ए ग्रेट ट्रेडि" ान मार्डनाइज्स
- सरस्वती, एम0 एन0 कर्टूब्यू" ान टू द अंडरस्टैंडिंग ऑफ इंडियन सिविलाइजे" ान
- डॉ कुमार : इंडियन सोसायटी एंड सो" ाल इंस्टीट्यू" ान
- डॉ पी0 एन0 सिंह : सोसायटी एंड सो" ाल इंस्टीट्यू" ान
- कचरू एंड कचरू : सोसयटी इन इंडिया
- श्रीवास्तव, ए0 आर0 एन0 (इडी) : भारत में मानव विज्ञान

द्वितीय समसत्र
पत्र–VII

भारतीय प्रागैतिहास (सैद्धांतिक)

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

पुरातात्विक मानवविज्ञान और नृजातीय पुरातात्विक का अर्थ
चतुर्थक काल में भारत और यूरोप में जलवायु परिवर्तन
कालक्रम निर्णय : तिथि निर्धारण तकनीक

i) सापेक्ष तिथि निर्धारण : स्तरीकरण, नदी वेदिका, उथीर समुद्री किनारा, मुद्रण तकनीक, फ्लोरीन तिथि निर्धारण, पराग तिथि निर्धारण

ii) निरपेक्ष तिथि निर्धारण : रेडियोधर्मी कार्बन, पोटा" ायम–ऑर्गन, यूरेनियम–थोरियम, वलयवृक्ष विज्ञान,

उश्मीय संदीप्ती–विखंडन और विखंडन चिह्न और ऑबसीडियन हाइड्रे" ान

ईकाई–2

पाशाण औजार के प्रारूप विज्ञान : चौपर, चॉपिंग औजार, हस्त कुल्हाड़ी, क्लीवर, स्क्रैपर, ब्लेड और ब्यूरिन, माइक्रोलिथिक औजार, सेल्ट तथा रिंग स्टोन

पाशाणकालीन औजार निर्माण तकनीक : स्थिर घन या अनविल तकनीक, प्रत्यक्ष प्रतिघात, बेलनाकार हथौड़ा, क्लैक्टोनियन, लैवोलोसियन, दवाब फलीकरण, घिसना तथा चमकाना।

ईकाई–3

भारत की पुरापाशाणयुगीन संस्कृति : सामान्य वितरण, महत्वपूर्ण स्थान, औजार प्राप्ति और संस्कृति

i) भारत की निम्न पुरापाशाणयुगीन संस्कृति

ii) भारत की मध्यम पुरापाशाणयुगीन संस्कृति

iii) भारत की उच्च पुरापाशाणयुगीन संस्कृति

भारत की मध्यपाशाणयुगीन संस्कृति : सामान्य वितरण, महत्वपूर्ण स्थान, औजार प्राप्ति और संस्कृति

ईकाई–4

भारत की नवपाशानकालीन संस्कृति : सामान्य वितरण, महत्वपूर्ण स्थान, औजार प्राप्ति और संस्कृति
नवपाशानकालीन क्रांति, भारत में मानव बसाव तथा कृशिकर्म का अर्विभाव
भारत में महापाशान संस्कृति
सिन्धु घाटी सभ्यता

अनुशंसित अध्ययन :

- अग्रवाल, पी0 पी0 : द आर्कियोलॉजी ऑफ इंडिया
- ऑलचिन, बी0 : द राइज ऑफ सिविलाइजे" ान ऑफ इंडिया एंड पाकिस्तान
- बोर्डस, एफ0 : द ओल्ड स्टोन ऐज
- क्लार्क, जी0 : आर्कियोलॉजी एंड सोसायटी : वर्ल्ड प्री–हिस्ट्री : ए न्यू प्रोस्पेक्टिव
- होल, एफ0 एंड आर0 एफ0 हैगर : इंट्रोडक" ान इन प्री–हिस्ट्री आर्कियोलॉजी
- ऑक्ले : मैन द टूल्स मेकर
- पीफेफीर, जे0 एफ0 : द इमरजेंस ऑफ मैन
- सैनकालिया, एच0 डी0 : प्री–हिस्ट्री एंड प्री–हिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड पाकिस्तान
- व्हीलर, एम0 : अर्ली इंडिया एंड पाकिस्तान
- मिश्रा, वी0 एन0 एंड पी0 एस0
- बेलवुड (ईडीएस) : रिसेन्ट एडवांटेजस इन इंडो–पैसिफिक प्रीहिस्ट्री
- भट्टाचार्या, डी0 के0 : एन इंट्रोडक" ान

द्वितीय समसत्र
पत्र–VIII

प्रागैतिहास (प्रयोगिक)

1. औजार बनाने के तकनीक और औजार के श्रेणी, गृह प्रकार (सैद्धांतिक अभिमुखता)
2. पहचान, पुरापाशाणकाल, मध्यपाशणकाल और नवपाशाण काल का चित्रांकन और औजारों का प्रतिनिधित्व
3. तकनीक – चित्रांकन की पहचान और नृजातीय–वर्णन" ाास्त्र की वस्तुओं का प्रतिनिधित्व और विवरण f" ाकार, कृशि, खाद्य–संकलन और मत्सय–ग्रहण के लिए इस्तेमाल में आने वाली वस्तुएँ
4. अभिलेखित
5. साक्षात्कार परीक्षा

अनुशंसित अध्ययन :

- भांकालिया, एच0 डी0 : स्टोन ऐज टूल्स : देयर टेक्नीकस नेम एंड प्राबेबल फंक" ान
- रेडिड, वी0 आर0 : एलीमेंटस् ऑफ प्रीहिस्ट्री
- भट्टाचार्या, डी0 के0 ओल्ड स्टोन ऐज टूल्स

तृतीय समसत्र

पत्र–IX जेनेरिक इलेक्टिव
विस्तृत मानवविज्ञान

(मानवविज्ञान को छोड़कर अन्य छात्र–छात्राओं के लिए)

ईकाई–1

आधारभूत अवधारणा : समाज, समूह, संस्था, समुदाय, दल, जनजाति, सरदारी तंत्र, राज्य, टोटेम तथा टैबू। संस्कृति और सभ्यता, सामाजिक परिवर्तन और सांस्कृतिक परिवर्तन, नृजातीय वर्णन" ाास्त्र और नृजाति–विज्ञान

ईकाई–2

परिवार : संकल्पना, परिभाशा और इसके प्रकार, परिवार की सौर्वभौमिकता, परिवार के प्रकार्य, परिवार में परिवर्तन, परिवार में परिवर्तन की प्रवृति, परिवार पर नगरीकरण, औद्योगिकरण, वै" वीकरण और नारीवादी आंदोलन का प्रभाव।

विवाह : संकल्पना, परिभाशा और इसके प्रकार; विवाह के प्रकार्य, विवाह के प्रकार, विवाह पर सूचना और प्रौद्योगिकी का प्रभाव (इंटरनेट, मोबाइल,)

ईकाई–3

भारत की पुरापाशाणयुगीन संस्कृति : सामान्य वितरण, महत्वपूर्ण स्थान, औजार प्राप्ति और संस्कृति

i) भारत की निम्न पुरापाशाणयुगीन संस्कृति
ii) भारत की मध्यम पुरापाशाणयुगीन संस्कृति
iii) भारत की उच्च पुरापाशाणयुगीन संस्कृति

भारत में महापाशाणयुगीन संस्कृति

ईकाई–4

1. आँकड़े संग्रहण के साधन तथा तकनीक –

   a) अवलोकन : अर्थ प्रकार, गुण तथा अवगुण।
   b) साक्षात्कार : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।
   c) केस(व्यक्ति) अध्ययन : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।
   d) जीवनवृत : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।
   e) वं" ाावली अध्ययन : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।
   f) प्र" नावली एवं अनुसूची : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।

2. प्रक्षेपात्मक परीक्षण, पी0आर0ए0 और आर0आर0ए0
3. प्रतिद" ान : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।

अनुशंसित अध्ययन :

- डॉ0 कुमार : इंडियन सोसायटी एंड सो" ाल इंस्टीट्यू" ान
- डॉ0 पी0 एन0 सिंह : सोसयटी एंड सो" ाल इंस्टीट्यू" ान
- होल, एफ0 एंड आर0 एफ0 हैगर : इंट्रोडक्" ान टू प्रीहिस्टोरिक आर्कियोलॉजी
- भांकालिया, एच0 डी0 : प्रीहिस्ट्री एंड प्रीहिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड पाकिस्तान
- मेडज, जे0 : द टूल्स ऑफ सो" ाल सांइस
- बाजपेयी, एस0 आर0 : मेथ्डस ऑफ सो" ाल सर्वे एंड रिसर्च
- हंस राज : सो" ाल सर्वे एंड रिसर्च

तृतीय समसत्र
पत्र–X

शोध विधियाँ

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

i) निम्नलिखित के बीच भेद : प्रणाली, विधियाँ, तकनीक, प्रस्ताव। क्षेत्र कार्य तथा सामाजिक सर्वे
ii) अनुसंधान अभियोजन : साहित्य की समीक्षा, संकल्पनात्मक ढाँचा, अनुसंधान समस्या का निर्माण, परिकल्पना का निर्माण, प्रतिद" ान, आँकड़े संग्रहण के लिए तकनीक और उपकरण, आँकड़ा वि" लेशण और प्रतिवेदन, अनुसंधान पद्धतियों में महत्वपूर्ण दृश्टिकोणों का अलोचनात्मक मूल्यांकन
iii) भारत में मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य की परंपरा– जनजातीय अध्ययन, ग्रामीण अध्ययन, जातीय अध्ययन और धर्म अध्ययन

iv) पुस्तकालय कार्य और संदर्भ और ग्रंथ सूची की तैयारी

ईकाई–2

आँकड़े संग्रहण की मूल तकनीकें –

- अवलोकन : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण
- साक्षात्कार : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण
- केस अध्ययन : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण
- जीवनवृत : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण
- वं" ाावली अध्ययन : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण
- प्रतिद" ान : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण
- प्र" नावली एवं अनुसूची : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण

प्रक्षेपात्मक परीक्षण, पी0आर0ए0 और आर0आर0ए0
प्रतिद" ान : अर्थ, प्रकार, गुण तथा अवगुण।

ईकाई–3

i) आँकड़ों के प्रकार : वर्गीकरण, सारणीयन और लेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण

ii) सांख्यिकीय वि" लेशण – माध्य, मध्यिका, बहुलक, औसत तथा मानक विचलन

iii) मानव" ाास्त्रीय दृश्टिकोण–मूलपाठ–प्रसांगिक,आगानात्मक–निगानात्मक, एटिक–एमिक, समकालीक–बहुकालिक, वर्णात्मक–विशयगत, सूक्ष्म–वृहत, ऐतिहासिक और ज्ञानात्मक दृश्टिकोण

iv) नवीन दृश्टिकोण
   a) सहभागी अनुसंधान
   b) क्रियात्मक अनुसंधान
   c) संचालित अनुसंधान
   d) सार्वजनिक–निजी साझेदारी

ईकाई–4

भाारीरिक मानवविज्ञान की अनुसंधान पद्धतियाँ
a) अनुवां" ाक पद्धतियाँ
b) आकारकीय पद्धतियाँ

प्रागैतिहास मानवविज्ञान की अनुसंधान पद्धतियाँ
a) अन्वेशण
b) उत्खनन

अनुशंसित अध्ययन :

- ईवान्स–प्रीचार्ड, ई0 ई0 : सो" ाल एंथ्रोपोलॉजी (सेलेक्टड चैप्टर)
- फर्थ, आर0 : सो" ाल एंथ्रोपोलॉजी (सेलेक्टड चैप्टर)
- गुडे डब्ल्यू0 जी0 एंड पी0 के0 हट्ट : मेथडस ऑफ सो" ाल रिसर्च
- जाहोडा, एम एहाल : रिसर्च मेथडस इन सो" ाल रिले" ान
- मैडज, जे0 : द टूल्स ऑफ सो" ाल सांइस
- मुर्डोक जी0 पी0 इथहल : आउटलाइन ऑफ कल्चरल मैटेरियलस
- पेल्टो, पी0 जे0 : एन्थ्रोपोलॉजिकल रिसर्च
- रॉयल एन्थ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट : नोटस् एंड क्वारीस ऑन एंथ्रोपोलॉजी
- बाजपेयी, एस0 आर0 : मेथड्स ऑफ सो" ाल सर्वे एंड रिसर्च
- हंस राज : सो" ाल सर्वे एंड रिसर्च
- मुकर्जी, आर0 एन0 : सामाजिक सर्वेक्षण व भाोध
- गुलटोंग, जे0 : थ्योरी एंड मेथ्डस ऑफ सो" ाल रिसर्च
- योन्गा, पी0 भी0 : सांइटिफिक सो" ाल सर्वे एंड रिसर्च

तृतीय समसत्र
पत्र–XI

मानवशास्त्रीय सिद्धांत

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

1. उद्विकासीय सिद्धांत : 19 वीं भाताब्दी के उद्विकासीय सिद्धांत के आधारभूत संकल्पना
2. भाास्त्रीय(एकरेखीय) उद्विकासवादी :
    - ब्रिटि" ा उद्विकासवादी : ई0 बी0 टेलर, एच0 जे0 एस0 मैनी, बैचोफेन, जे0 एफ0 मैक्लेलन और एस0 जी0 जे0 फ्रेजर
    - जर्मन(महाद्वीपीय)उद्विकासवादी : जे0जे0बेचोफेन, एडोक बैस्टियन
    - अमेरिकी उद्विकासवादी : एल0एच0मार्गन
3. नवउद्विकासवादी सिद्धांत : निम्नलिखित के योगदानः–
    - सार्वभौमिक उद्विकासवादी लेस्ली वाइट, वी0जे0चाइल्ड
    - बहुरेखीय उद्विकासवादी जुल्यिन एच स्टीवर्ड
    - सामान्य और वि" ोश उद्विकासवादी : स्नाहलिंस और सर्विस

ईकाई–2

प्रसारवाद : ब्रिटि" ा स्कूल, जर्मन स्कूल तथा अमेरिकन स्कूल

ईकाई–3

1. प्रकार्यवाद सिद्धांत : मूलभुत संकल्पना

    मैलिनोवस्की के प्रकार्यवादी संस्कृति में योगदान, आवश्यकता का सिद्धांत और सांस्कृति प्रतिवाद, क्षेत्र कार्य, नृजातिय वर्णन, आर्थिक मानवविज्ञान और अनुना" ाय

2. संरचनात्मक–प्रकार्यवाद सिद्धांत : ए0 आर0 रेडक्लिफ ब्राऊन, ई0 ई0 ईवान्स प्रीसार्ड, आर0 फर्थ, जी0 पी0 मार्डक

ईकाई–4

1. व्यक्तित्व और संस्कृति का सिद्धांत : मूलभूत संकल्पना योगदान
   मारग्रेट मीड : सामाजिक प्राक्रिया, संस्कृति का प्रभाव व्यक्तित्व पर, चित्रात्मक अध्ययन
   संस्कृति का दूरी
   रुथ बेनेडिक्ट : संस्कृति का बँटवारा, संस्कृति पर व्यक्तित्व का प्रभाव, राश्ट्र चरित्र का अध्ययन
   कार्डिनर और आर0 लिंटन : व्यक्तित्व मूलभूत
   डु–बोआस :
2. संरचनात्मक मानवविज्ञान : मूल संकल्पना
   लेविस–स्ट्रॉस के योगदान :– सामाजिक संरचना प्रारुप, सांख्यिकी और यांत्रिक प्रारुप और समनवेता प्रारुप, नातेदारी और टोटेमिज्म, मिथक वर्गीकरण।
   उत्तर आधुनिकी
   भौतिकतावाद : इतिहासिक, भाशाई, संस्कृति, मानव भौतिकतावाद

अनुशंसित अध्ययन :

- माखन झा : मानव भाास्त्रीय विचारधारा
- मिश्रा, यू0 एस0 : नृतावा चिंतन
- श्रीवास्तवा एंड सहाय : संस्कृतिक मानव विज्ञान
- विद्यार्थी एल0 पी0 : राइज ऑफ एंथ्रोपोलॉजी (vol. I & II)
- उपाध्याय एंड पांडे : हिस्ट्री ऑफ एन्थ्रोपोलॉजिकल थॉट
- उपाध्याय एंड पांडे : मानव भाास्त्रीय विचारक एंड उनकी विचारधाराएँ

तृतीय समसत्र
पत्र–XII

शोध प्रबंध (क्षेत्र–कार्य पर आधारित)

1. क्षेत्र–कार्य तकनीक का प्र्रि" ाक्षण : एक विद्यार्थी तीस दिनों तक क्षेत्र में रूकेगा। एक मार्गद" र्ी ि" ाक्षक को विभाग की ओर से नियुक्त किया जायेगा।
2. क्षेत्र भाोध–प्रबंध : प्रत्येक विद्यार्थी को क्षेत्र प्रतिवेदन रिर्पोट प्रस्तुत करना है (जो क्षेत्र कार्य पर आधारित होगा) एक माह के अंदर क्षेत्र कार्य से संबंधित भाोध प्रबंध और सैंद्धांतिक परीक्षा के पहले जमा करना होगा।

अनुशंसित अध्ययन :

- मर्डोक, जी0 पी0 : आउटलाइन ऑफ कल्चरल मैटेरियल
- रॉयल एंथ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट : नोट्स एंड क्वारीस इन एंथ्रोपोलॉजी

prqFkZ lel=

जनजातीय विकास में विशेषज्ञता के लिए (Group C)
पत्र–XIII

जनजातीय भारत

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

जनजातीय : संकल्पनाएँ, परिभाशा तथा नामकरण
भारतीय जनजाति का भाशायी वर्गीकरण, भौगोलिक वितरण और आर्थिक वर्गीकरण

ईकाई–2

समाजिक संगठन – विवाह के प्रकार और जीवन साथी चुनने की पद्धतियाँ, तलाक तथा पुर्नविवाह

i) परिवार के प्रकार
ii) नातेदारी व्यवस्था
iii) वं" ा तथा कुलचिह्न
iv) युवागृह

ईकाई–3

आर्थिक संगठन : परिभाशा, कार्यक्षेत्र और अर्थ; प्राचीन, का" तकारी तथा आधुनिक, उत्पादक के सिद्धांत, साधारण समाज में वितरण तथा खपत

वितरण – अन्योयता और वितरण; उपहार, व्यापार, वस्तु विनिमेय, मुद्रा और बाजार अर्थव्यवस्था; जीवन निर्वाह, अधि" ोश और प्रतिशठा अर्थव्यवस्थाः कुला रिंग और पोटलॉच; आखेट–खाद्यसंग्रहक, प" ुपालन, कृशि और औद्योगिक–आर्थिक संगठन

ईकाई–4

- राजनीतिक संगठन
- सत्ता की संकल्पना, भाक्ति, पद, नेतृत्व, वैधानिकता, नियंत्रण
- सामाजिक संगठन के प्रकार
- न्याय, न्याय" ाास्त्र, कानून और सामाजिक नियंत्रण; प्रथागत कानून; आदिम कानून;
- संघर्ष, बालात्कार, विवाद निपटारा का आम सहमति का प्रारूप

- सामाजिक नियंत्रण का औपचारिक और अनौपचारिक माध्यम
- जनजातीय नेतृत्व, जनजातीय अभिजात नृजातीयता
- जनजातीय आंदोलन – जनजातीय स्वयत्तता, छोटनागपुर में आंदोलन

अनुशंसित अध्ययन :

- विद्यार्थी एंड रॉय : ट्राइबल कल्चर ऑफ इंडिया
- बोस, एन0 के0 : ट्राइब लाइफ ऑफ इंडिया
- उपाध्याय एंड पांडे : ट्राइबल डेवलपमेंट इन इंडिया
- चौधरी : ट्राइबल डेवलपमेंट इन इंडिया
- भार्मा, बी0 डी0 : बेसिक इ" यू इन ट्राइब डेवलपमेंट
- सिंह के0 एस0 : ट्राइबल मोमेंटस इन इंडिया
- विद्यार्थी एल0 पी0 एंड बी0 एन0 सहाय (2001)। अप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी एंड डेवलपमेंट इन इंडिया, ने" ानल पाब्लि" ंग हाउस, न्यू दिल्ली।
- विद्यार्थी एल0 पी0 (1990)। अप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी इन इंडिया – प्रिंसिपलस, प्रॉब्लमस एंड केस स्टडीज, किताब महल, उ0 प्र0
- विद्यार्थी वी (1981)। ट्राइबल डेवलपमेंट एंड इट्स एडमिनिस्ट्रे" ान। कांसेप्ट पब्लि" ंग कंपनी, नई दिल्ली।

पत्र–XIV

जनजातीय विकास

प्रत्येक सैद्धांतिक पत्र में समान अंकों का कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न बिना आंतरिक विकल्प के सभी इकाइयों पर आधारित होगा जबकि शेष प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ सभी इकाइयों पर आधारित होगा।

ईकाई–1

1. जनजातीय विकास का इतिहास – बदलता दृश्टिकोण/प्रतिरूप
    - आजादी के बाद के विकासवादी प्रयास (सी0डी0पी0, टी0डी0ए0, टी0डी0पी0, एस0एम0पी0टी0, पी0टी0जी0 उत्थानपरक परियोजना)
    - जनजातीय उप–परियोजना
    - मोडिफाइड एरिया डेवलपमेंट अर्पोच (एम0ए0डी0ए0)
    - जनजातीय उप–योजना का आलोचनात्मक मूल्यांकन
2. जनजातीय क्षेत्रों का प्र" ाासनिक इतिहास

ईकाई–2

जनजातीय विकास और उनके क्रियान्वयन के लिए कार्यक्रम – (डी0डब्ल्यू0सी0आर0ए0, ट्राइसेम), जे0आर0वाई0 (इंदिरा आवास स्कीम, लाखों कुएँ/जल धारा, समाजिक वानिकी), मनरेगा, राश्ट्रीय परिवार लाभ योजना, राश्ट्रीय वृद्ध पे" ान योजना, राश्ट्रीय पोशाहार योजना, भाहरी स्वरोजगार योजना, राश्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना, आई0सी0एस, एल0ए0एम0पी0एस0, टी0आर0आई0एफ0ई0डी0

ईकाई–3

जनजातियाँ समुदाय की समस्याएँ – भूमि हस्तांतरण, गरीबी, ऋणग्रस्तता, बंधुआ मजदूरी, झूम कृशि, आवास, पेयजल, संचार, निम्न साक्षरता, बेरोजगारी और ठेका, स्वास्थ्य और स्वच्छता/कुपोशण, श्रम प्रवसन, जनजातीय विस्थापन और पुर्नवास की समस्या।

पहचान की समस्या का आर्विभाव, नृजातीयता, नृजाति संकट और नृजाति उत्पात

झारखण्ड में जनजातीय आंदोलन

ईकाई–4

जनजातीय विकास में मानव" ाास्त्रियों की भूमिका (स्वतंत्रता के बाद एवं पहले का काल)

- वैचारिक स्तर
- रणनीति स्तर
- निगरानी और मूल्यांकन

जनजातीय भाोध/विकास से जुड़ी सरकारी एजेंसियाँ

- योजना आयोग
- भारतीय मानवविज्ञान सर्वे
- जनजातीय/सांस्कृतिक/हरिजन भाोध संस्थाएँ

जनजातीय विकास में महिला भागेदारी

अनुशंसित अध्ययन :

- विद्यार्थी एंड रॉय : ट्राइबल कल्चर ऑफ इंडिया
- बोस, एन0 के0 : ट्राइब लाइफ ऑफ इंडिया
- उपाध्याय एंड पांडे : ट्राइबल डेवलपमेंट इन इंडिया
- चौधरी : ट्राइबल डेवलपमेंट इन इंडिया
- भार्मा, बी0 डी0 : बेसिक इ" यू इन ट्राइब डेवलपमेंट
- सिंह के0 एस0 : ट्राइबल मोमेंटस इन इंडिया
- विद्यार्थी एल0 पी0 एंड बी0 एन0 सहाय (2001)। अप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी एंड डेवलपमेंट इन इंडिया, ने" ानल पाब्लि" ांग हाउस, न्यू दिल्ली।
- विद्यार्थी एल0 पी0 (1990)। अप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी इन इंडिया – प्रिंसिपलस, प्रॉब्लमस एंड केस स्टडीज, किताब महल, उ0 प्र0
- विद्यार्थी वी (1981)। ट्राइबल डेवलपमेंट एंड इट्स एडमिनिस्ट्रे" ान। कांसेप्ट पब्लि" ांग कंपनी, नई दिल्ली।

पत्र–XV

भारत का आदिम अतिसंवेदनशील जनजातीय समूह

1) भारत में नृजातीय मानवविज्ञान की परंपरा
2) प्रादे" ाक वितरण
    i) पूर्वी भारत और हिमालय क्षेत्र
    ii) मध्य भारत
    iii) प" चमी भारत
    iv) दक्षिणी भारत
3) भारत में पी0भी0टी0जी0 का वर्गीकरण
    i) भाशायी
    ii) प्रजाति
    iii) आर्थिक
    iv) सांस्कृतिक
4) भारत में पी0भी0टी0जी0 संगठन
    i) आर्थिक संगठन
    ii) सामाजिक संगठन
    iii) कानून और राजनीतिक संगठन
    iv) धर्म और जादू
    v) साहित्य और कला
5) पी0भी0टी0जी0 के समस्याओं के दृश्टिकोणों का अध्ययन, भारत में पी0भी0टी0जी0 के कल्याणकारी कार्यो का इतिहास, संविधान और जनजातियाँ
    i) जनजातीय समस्याएँ :
        a) वि" ाश्ट समस्याएँ
        b) पहले की तरह क्षेत्रीय तथा राश्ट्रीय समस्याएँ

ii) समस्याएँ :–

a) भूमि और कृशि
b) जंगल
c) ऋणग्रस्तता
d) संचार
e) f" ाक्षा
f) स्वास्थ्य
g) औद्योगीकरण
h) सहकारिता
i) प्रजातांत्रिक–विकेन्द्रीकरण
j) आवास
k) लघु–उद्योग

अनुशंसित अध्ययन :

- गुरे, जी0 एस0 : द भोड्यूल ट्राइब्स
- मजूमदार, डी0 एन0 : रेसेस एंउ कल्चर ऑफ इंडिया
- ठक्कर, ए0 भी0 : द प्रोब्लम ऑफ एबोरिजिन्स इन इंडिया
- प्लानिंग कमी" ान : रिपोर्ट ऑफ द स्टडी टीम ऑफ ट्राइबल डेवलपमेंट
- प्लानिंग कमी" ान : रिपोर्ट ऑफ डेवलपमेंट ट्राइबल एरियास (1981)
- मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स : रिपोर्ट ऑफ कमिटी ऑफ फॉरेस्ट एंड ट्राइब्स इन इंडिया
- सच्चिदानंदा : f" ाफ्टिंग कल्टीवे" ान
- विद्यार्थी, एल0 पी0 : सोसिया–कल्चरल इंप्लिके" ान ऑफ इंडस्ट्रियलाइजे" ान इन इंडिया
- राघावैवह, वी0 : ट्राइबल रीवोल्टस
- सिंह, के0 एस0 (इडी) : डस्ट, स्टार्म एंड हैंगिंग मीस्ट : स्टोरी ऑफ बिरसा एंड हिस
- मुण्डा : मूवमेंट इन छोटानागपुर

पत्र–XVI
परियोजना–कार्य

परियोजना–कार्य पुस्तकालय तथा क्षेत्र कार्य पर आधारित होगा जिसका निर्माण वि" ाश्ट–प्रसंग के अनुसार विभाग द्वारा अनुमोदित किया जायेगा।